

४१५१५

उभय पक्ष श्री अट से हाजिरी ही गई है,

श्री अट द्वारा द्वि० ०१/०९/१५ को भी इस वाद को वापस लेने हेतु अपील-पत्र दिया गया है। श्री अट के शपथ-पत्र पर उनके विस अधिवक्ता श्री हरीश हवारी का पहचानकर्ता के रूप में हस्ताक्षर है। श्री अट द्वारा आप द्वितीय में उपस्थित होकर अपने पुनरीक्षण वाद को वापस लेने की अनुमति लेने के लिए आपसे कहा गया है।

श्री अट के साथ उनके विस अधिवक्ता उपस्थित हैं। श्री अट के आशु राध पा उ-हें इस वाद को वापस लेने की अनुमति दी जाती है।

तदनुसार इस वाद की कार्यवाही समाप्त की जाती है।

०४.५.१५
अ० स०